



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

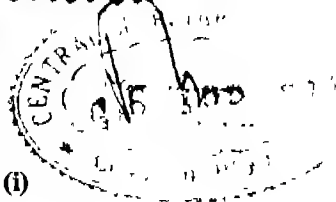
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 114]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 6, 1977/चैत्र 16, 1899

No. 114]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 6, 1977/CHAITRA 16, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 6th April 1977

G.S.R. 168(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 102/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976, the Central Government hereby exempts powered cycles and powered cycle rickshaws, falling under Item No. 34 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

Explanation.—The expression, "powered cycle" or "powered cycle rickshaw" means a mechanically propelled cycle or, as the case may be, mechanically propelled cycle rickshaw, which may also be pedalled, if any necessity arises for so doing.

[No. 52/77]

S N BUSI, Under Secy.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1977

सां. कां. निं. 168 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और वीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 102/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 मार्च, 1976 को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं. 34 के अधीन आने वाली पावर चालित सायकिलों और पावर चालित सायकिल रिक्शों का उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।]

स्पष्टीकरण.—“पावर चालित सायकिल” या “पावर चालित सायकिल रिक्शा” से यथा-स्थिति ऐसी यंत्रोदित सायकिल या यंत्रोदित सायकिल रिक्शा अभिप्रेत है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर पैडल पर पैर रख कर भी चलाया जा सके।

[52/77]

एस. एन. वृत्ती, अवर सचिव।

इहा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा निषेधक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977